

(तृतीय सेमेस्टर)
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2023-2024

विषय : संस्कृत

Subject : Sanskrit

कोर्स शीर्षक : संस्कृत नाटक

Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject Code : MAST

कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-107

Course Code : MAST-107

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section - A

खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
Maximum Marks: 18

प्रश्न-1 निम्नलिखित श्लोकों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए - 6

- i. क) यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दया
स्वजननिभृतः सर्वोप्येवं मृदुः परिभूयते ।
अथ न रुचितं मुञ्च त्वं मामहं कृतनिश्चयो
युवतिरहितं लोकं कर्तुं यतश्छलिया वयम् ॥
- ख) महासारप्रसवयोः सदृशक्षमयोर्द्वयोः ।
धारिणीभूतधारिण्योर्भव भर्ता शरच्छतम् ॥

प्रश्न-2 नाटककार भट्टनारायण एवं वेणीसंहार नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

प्रश्न-3 मालविकाग्निमित्र नाटक राजनीतिक/ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, प्रमाणित कीजिए ।

Section - B

खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

प्रश्न- 4 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 6

- क) सकलरिपुजयाशा यत्र बद्धा सुतैस्ते
तृणमिव परिभूतो यस्य गर्वेण लोकः ।
रणशिरसि निहन्ता तस्य राधासुतस्य
प्रणमति पितरौ वां मध्यमः पाण्डवोऽयम् ॥

ख) दीर्घाक्षं शरदिन्दुकान्तिवदनं बाहु नतावंसयोः
संक्षिप्तं निबिडोन्नतस्तनमरः पार्श्वे प्रमृष्टे इव ।
मध्यः पाणिमितो नितम्बि जघनं पादावरालाङ्गुली
छन्दो नर्ततितुर्यथव मनसि श्लिष्टं तथास्या वपु ।।2

- प्रश्न-5 प्रतिमानाटक के आधार पर राम या सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए। 2
- प्रश्न-6 महाकवि भास की शैली पर प्रकाश डालिए। 2
- प्रश्न-7 मालविकाग्निमित्र नाटक के आधार पर अग्निमित्र या मालविका का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए। 2
- प्रश्न-8 वेणीसंहार नाटक के नायक, प्रतिनायक तथा नायिका के योगदान पर प्रकाश डालिए। 2
- प्रश्न-9 अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में व्याख्या करें- 2

मेरुश्चलन्निव युगक्षयसन्निकर्षे
शोषं व्रजन्निव महोदधिरप्रमेयः ।
सूर्यः पतन्निव च मण्डलमात्रलक्ष्यः
शोकाद् भृशं शिथिलेदहमतिर्नरेन्द्रः ।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2023-2024

विषय : संस्कृत

Subject : Sanskrit

कोर्स शीर्षक : संस्कृत काव्य (पद्य एवं गद्य)

Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject Code : MAST

कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-108

Course Code : 108

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न-1 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

6

कुण्ठत्वमायाति गुणः कवीनां साहित्यविद्याश्रमवर्जितेषु ।
कुर्यादनादेषु किमङ्गनानां केशेषु कृष्णागुरुधूपवासः ॥

प्रश्न-2 निम्नलिखित श्लोक की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

6

यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः
स्फुरत्प्रतापानलधूममञ्जिम ।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ
दधाति पङ्कीभवदङ्कतां विधौ ।

प्रश्न-3 महाकवि बाणभट्ट की गद्यशैली पर सोदाहरण प्रकाश डालिये ।

6

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंक: 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

प्रश्न-4 अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

2

अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः । एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचरचक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य । अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं द्वादशषु भागेषु विभनक्ति, कारणं षण्णामृतनाम्, एष एवाङ्गीकरोति उत्तरं दक्षिणं चायनम् ।

प्रश्न-5 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

2

तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान्कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति, प्रणमन्ति, स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिवटुभ्यामदर्शि।

प्रश्न-6 शिवराज विजय के प्रथम विराम के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिये। 2

प्रश्न-7 नैषधीयचरित के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न-8 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 2

गुरुपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षममजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरुष्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपित मेदोदोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनमग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः नोद्वेगकरः प्रजागरः।

प्रश्न-9 विल्हण के काव्यालोचन पर प्रकाश डालिये। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

2023-2024

विषय : संस्कृत

Subject : Sanskrit

कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का
इतिहास एवं निबन्ध

Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject Code : MAST

कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-109

Course Code : MAST-109

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section - A

खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
Maximum Marks:18

- प्रश्न-1 महाभारत तथा रामायण में वर्णित सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तृत वर्णन कीजिए। 6
प्रश्न-2 'रामायण आदिकाव्य है' - इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6
प्रश्न-3 संस्कृत गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 6

Section - B

खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
Maximum Marks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

- प्रश्न-4 भारवि के जीवन परिचय पर एक लेख लिखिए। 2
प्रश्न-5 'माघे सन्ति त्रयो गुणा' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए। 2
प्रश्न-6 श्री हर्ष के काल एवं जीवनवृत्त पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न-7 नलचम्पू काव्य की विशेषता बताइए। 2
प्रश्न-8 अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए - 4

- क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
ख) उपमा कालिदासस्य
घ) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्
ड.) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्